मनोवृत्ति का अर्थ (Meaning of Attitude)

– मनोवृत्ति या अभिवृत्ति किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना के प्रति एक खास ढंग से अनुक्रिया करने की एक मानसिक तत्परता (Mental Readiness) होती है। मनोवृत्ति मे व्यक्ति मे अनुकूलता - प्रतिकूलता (Favourableness - Unfavourableness) की विमा (Dimention) पर किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना के प्रति अनुक्रिया करने की तत्परता पाई जाती है। जिस छात्र की मनोवृत्ति उदाहरणस्वरूप कला के प्रति अनुकूल होती है तो उनकी मनोवृत्ति कलाकारो, रंग, चित्रकारी अजायबघर (Musiums) आदि के प्रति भी अनुकूल होगी। उसी तरह यदि किसी छात्र की मनोवृत्ति कला के प्रति प्रतिकूल होगी, तो वह कला के विभिन्न पहलुओं को भी तुच्छ बताएगा और उसके प्रति अपनी नापसन्दगी (Disliking) व्यक्त करेगा।

किसी भी मनोवृत्ति में तीन घटक (Components) होते है- संज्ञानात्मक घटक (Cognitive Components),
- भावात्मक घटक - (Affective Components)
- व्यवहारात्मक या क्रियात्मक घटक (Behavioural Components)

संज्ञानात्मक घटक मे व्यक्ति की मनोवृत्ति वस्तु के प्रति ज्ञान तथा उसका अपना विश्वास आदि सम्मिलित होता है। भावात्मक घटक में व्यक्ति के मन में मनोवृत्ति वस्तु के प्रति एक सुखद (Pleasant) या दुखद (Unpleasant) भाव होता है तथा व्यवहारात्मक घटक में व्यक्ति के मन मे अपनी मनोवृत्ति वस्तु के प्रति एक अनुकूल या प्रतिकूल व्यवहार करने की तत्परता संयोजित होती है, मनोवृत्ति की एक प्रमुख विशेषता यह है कि मनोवृत्ति अर्जित (Acquired) होती है और यह कक्षा मे विभिन्न तरह के शिक्षण को प्रभावित करती है।

मनोवृत्ति मनोसामाजिक अवधारणा है, मनोवृत्ति का विकास एक निश्चित वातावरण में होता है।

" मनोवृत्ति मनोसामाजिक अवधारणा है जिसका जिसका सम्बन्ध तात्कालिक वातावरण या तात्कालिक परिस्थितियो से होता जो तात्कालिक वातावरण या तात्कालिक परिस्थितियो मे विशिष्ट अनुक्रिया करने के लिए बाध्य कर देती है।"

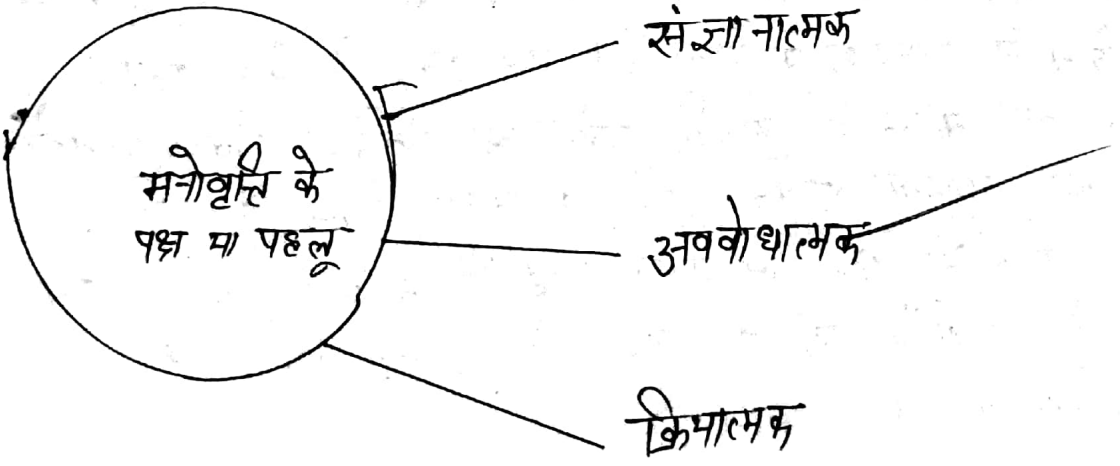

Scanned with CamScanner

अभिक्षमता (Aptitude) :—

अभिक्षमता (Aptitude) एक महत्वपूर्ण पद है जिसका अर्थ किसी खास विषय या क्षेत्र में ज्ञान, अभिरुचि, कौशलता आदि विकसित करने की क्षमता से होता है। दूसरे शब्दों में अभिक्षमता किसी विषय या क्षेत्र में ज्ञान हासिल करने या सीखने की अन्तः शक्ति (Potential) है। किसी छात्र की अभिक्षमता को जानकर शिक्षक आसानी से उसके भविष्य के निष्पादन के बारे में पूर्वानुमान (Prediction) लगा सकते हैं। अभिक्षमता को फ्रीमैन (1962) ने परिभाषित करते हुए कहा है, "उन गुणों के संयोग जिनसे कुछ विशिष्ट ज्ञान एवं संगठित अनुक्रियाओं के सेट की कौशलता जैसे कोई भाषा, बोलना, गायक बनना, यांत्रिक कार्य करना आदि को (प्रशिक्षण के साथ) सीखने की क्षमता का पता चलता है, अभिक्षमता कहा जाता है।"

ज्ञान (Knowledge) —

सामान्यतः ज्ञान से तात्पर्य किसी वस्तु या विषय के बारे में यथार्थ जानकारी से है। अर्थात ज्ञान शब्द का प्रयोग किसी वस्तु या विषय के सम्बन्ध में उसके वर्णन से है। ज्ञान का प्रयोग भौतिक जगत एवं आध्यात्मिक जगत दोनों के सम्बन्ध में होता है। ज्ञान शब्द की कोई व्यापक परिभाषा देना कठिन है क्योंकि दर्शन की विभिन्न विचार धाराओं ने इसकी व्याख्या अपने अपने मतानुसार किया है। फिर भी विद्वानों में एक मतैक्यता यह है कि सत्य और ज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं अर्थात सत्य की वास्तविकता ज्ञान कहलाती है।

Scanned with CamScanner

ज्ञान को अनुभूति मानते हुए इसकी व्याख्या इस प्रकार से की जा सकती है कि ज्ञान वह अनुभूतियाँ है जो इन्द्रियानुभूति तथा इन्द्रियातीत दोनो है।

अत: इस आधार पर हम ज्ञान की व्याख्या निम्नलिखित तीन प्रकार से कर सकते है -

1- ज्ञान जानकारी की सत्यता है अर्थात जानकारी की सत्यता ही ज्ञान

2- ज्ञान जानकारी की सत्यता मे विश्वास है अर्थात जानकारी की सत्यता में विश्वास ही ज्ञान है। यदि हमे विषय वस्तु के बारे जानकारी है और यदि जानकारी सत्य है और उसमे हमारा विश्वास है तो उसे ज्ञान कहते है।

3- ज्ञान जानकारी की सत्यता के लिए पर्याप्त प्रमाण है।

ज्ञान की सम्प्राप्ति या प्राप्ति (Attainment of Knowledge)

अधिगम से विद्यार्थी मे होने वाले व्यवहार परिवर्तन के फलस्वरूप विद्यार्थी में निश्चित धारणा या ज्ञान की सम्प्राप्ति होती है जो संज्ञानात्मक भावात्मक एवं क्रियात्मक किसी भी अधिगम अनुक्षेत्र से सम्बन्धित हो सकता है। विद्यार्थी अधिगम मुख्यत: दो तरीको से करते है। पहला एक निष्क्रिय अधिगमकर्ता के रूपमे और दूसरा एक सक्रिय अधिगमकर्ता के रूप मे। एक निष्क्रिय अधिगमकर्ता में स्मरण और अवबोध पर ही केन्द्रित रहता है जो विद्यार्थी विभिन्न परिस्थियो से अभिगमित करता है जैसे - पुस्तक या लेख पढ़कर, भाषण या व्याख्यान सुनकर तथा अवलोकन करके।

सक्रिय अधिगमकर्तामे अधिगम क्रिया करने या परीक्षण द्वारा सम्पन्न होता है। इसमे विद्यार्थी स्वयं क्रिया सम्पन्न करके या क्रिया में सक्रिय भागीदार रहते हुए

Scanned with CamScanner

या अपनी त्रुटियों मे परिमार्जन ~~करते~~ करते हुए और अपनी आत्म अभिप्रेरणा, वचनबद्धता तथा योग्यता के आधार पर अधिगम करता है।